वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 45 | रविवार 9 जून 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में किसान सम्मान निधि में अब 8 हजार मिलेंगे

भजनलाल सरकार देगी 2 हजार, केंद्र सरकार पहले से दे रही 6 हजार रुपए

जयपुर. कासं। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पीएम किसान सम्मान निधि के तहत 2 हजार रुपए देने की घोषणा की है। इसी योजना में केंद्र सरकार पहले से ही किसानों को 6 हजार रुपए दे रही है। अब कुल 8 हजार रुपए किसानों को हर साल मिलेंगे। शनिवार को सीएम ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट '' पर दी। इस बढ़ोतरी से राजस्थान सरकार पर हर साल 1300 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार पड़ेगा।

12 हजार रुपए तक बढ़ाई जाएगी किसान सम्मान निधि

भारतीय जनता पार्टी ने किसानों को दी जाने वाली सम्मान निधि को बढ़ाने का वादा चुनावी घोषणा पत्र में किया था। वादा किया गया था कि किसान सम्मान निधि को हर साल बढ़ाकर 12 हजार रुपए की जाएगी। आने वाले समय में सरकार 4000 रुपए की राशि बढ़ाने की भी तैयारी कर रही है।

2019 में हुई थी योजना की घोषणा

1 फरवरी 2019 को भारत सरकार ने अंतरिम केंद्रीय बजट में इस योजना को लागू करने की घोषणा की थी। देशभर के किसान परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए यह योजना शुरू की गई थी। इस योजना के तहत सभी पात्र किसान परिवारों को तीन समान किस्तों में हर साल 6000 रुपए दिए जाते हैं। राजस्थान के किसानों को अब 8 हजार रुपए मिलेंगे।

कृषि विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षांत समारोह आयोजित

संविधान पार्क का किया लोकार्पण

विद्यार्थी अर्जित शिक्षा का उपयोग किसानों और कृषि अर्थव्यवस्था के जरिए देश के सुदृढ़ीकरण में करें: राज्यपाल

जयपुर. कंचन केसरी

राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि विद्यार्थी कृषि शिक्षा का उपयोग किसानों और कृषि अर्थव्यवस्था के जरिए देश के सुदृढ़ीकरण मे करे। उन्होंने 'विकसित भारत 2047' के लिए युवाओं को महती भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कृषि में नवाचार अपनाते हुए कार्य किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने एआई के उपयोग से कृषि की वैश्विक चुनौतियों को स्वीकार करते कृषि वैज्ञानिकों से जलवायु अनुरूप कृषि के विकास के लिए भी कार्य करने की आवश्यकता जताई। उन्होंने संविधान को सर्वोच्च बताते हुए अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहने का आह्वान किया। मिश्र जोधपुर स्थित कृषि विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षांत समारोह और वहां संविधान पार्क के लोकार्पण समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज देश तेजी से विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। कृषि क्षेत्र की इसमें बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए कृषि शिक्षा के जरिए देश के भावी विकास की योजनाओं के विद्यार्थी सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क इसीलिए बनाए गए हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाली नई पीढ़ी संविधान संकृति से जुड़ सके। उन्होंने संविधान की मूल प्रति पर उकेरे चित्रों के संदर्भ में युवाओं को भारतीय उदात्त जीवन मूल्यों से जुड़ने पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाने पर भी जोर दिया जिनसे युवा रोजगार ढूंढने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनें। मिश्र ने कहा कि वैदिक काल, ऋग्वेद तथा अन्य वैदिक ग्रन्थों से हमें व्यवस्थित ढंग से कृषि और पशुपालन के प्रमाण निरंतर मिलते रहे हैं। इससे पता चलता है कि तब खेती कितनी अधिक व्यावहारिक और वैज्ञानिक थी। उन्होंने कहा कि व्यावसायिकरण और अधिक उत्पादन की लालसा ने कृषि क्षेत्र को सभी दृष्टि से अलाभकारी बना दिया है। उन्होंने कहा कि कृषि अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। हम एक ऐसी रणनीति विकसित करें। जिससे खेती समग्र रूप में देश के लिए लाभकारी हो। साथ ही, कृषि शिक्षा में पारम्परिक कृषि से आधुनिक तकनीक की शिक्षा

युवा खिलाड़ी ने स्क्वैश में हासिल किया मेडल

गुलाबी नगरी के सुभाष चौधरी ने स्क्वैश चैम्पियनशिप बॉयज अंडर 17 में जीता गोल्ड मेडल

जयपुर. कासं। गुलाबी नगरी के सुभाष चौधरी ने स्क्वैश चैम्पियनशिप बॉयज अंडर 17 में गोल्ड मेडल जीता है। वह नीरजा मोदी नौवीं क्लास का स्टूडेंट हैं। एमपीएस स्कूल जवाहर नगर के कोच खांगाराम चौधरी ने बताया कि सुभाष एमपीएस और जयपुर क्लब में रेगुलर ट्रेनिंग लेता है। एचसीएल साउथर्न स्लेम स्क्वैश चैम्पियनशिप 4 से 8 जून 2024 तक चेन्नई में हुई। इस प्रतियोगिता में सुभाष चौधरी ने प्री क्वार्टर में हीरेन जैन पंजाब को 11-1,11-6,11-4 से हराया। क्वार्टर फाइनल में राहुल संजय बालाकृष्णन कर्नाटक को 11-7,11-7,15-13 से हराया। सेमीफाइनल में देव शर्मा महाराष्ट्र को 3-11,14-12,11-7,11-9 से हराया और फाइनल में वेदांत छेड़ा महाराष्ट्र को 11-6,11-5,11-8 से हराया।

पार्श्वनाथ प्रीमियर लीग सीजन 2 का उद्घघाटन के साथ हुआ शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

थड़ी मार्केट जैन समाज के तत्वावधान में पार्श्वनाथ नवयुवक मंडल एवं विद्या वसु पाठशाला द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पार्श्वनाथ प्रीमियर लीग सीजन 2 का उद्घाटन समारोह सुमत प्रकाश जैन, संगीता जैन के मुख्य आथित्य में बड़े ही धूमधाम से हुआ। ज्ञानचंद जैन कलेक्ट्री वालों ने दीप प्रज्वलित कर एवं हरीश चन्द जैन शशि जैन ने उद्घाटन कर दो दिवसीय बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। पार्श्वनाथ नवयुवक मंडल थड़ी मार्केट जयपुर के अध्यक्ष सिद्ध सेठी ने बताया कि उद्घाटन मैच से पूर्व उपस्थित अतिथियों का अभिनंदन किया गया। व पुरस्कार प्रदाता राजेंद्र जैन शाह लोकेश जैन,

स्वल्पाहार पुण्यार्जक भागचंद नितिन रचित जैन , नरेश जैन राकेश जैन मोबाइल वाले, कांता जैन नितिन जैन एवं पेयजल व्यवस्था के लिए सुनील जैन आस्था प्रॉपर्टीज का अभिनंदन भी किया गया। प्रतियोगिता संयोजक पंकज जैन लुहाड़िया ने बताया कि उद्घघाटन मैच अभिनंदन नाथ टीम व पुष्पदन्त टीम के मध्य हुआ तो अभिनंदन नाथ टीम ने सात विकेट से जीत दर्ज की वही मैन ऑफ द मैच जिनेंद्र जैन को ग्राउंड पर ही मंत्री मनीष जैन,उप मंत्री अनिल जैन सहित अतिथियों ने सम्मानित किया। प्रातः कालीन सत्र के अन्य मुकाबलों में श्री आदिनाथ क्रिकेट टीम व श्री मुनिसुव्रतनाथ क्रिकेट टीम ने विजय दर्ज की। समारोह का संचालन एवं लाइव कमेंट्री धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री संजय जैन बड़जात्या कामां द्वारा कर सभी को रोमांचित किया गया। **16 टीमें ले रही हैं भाग:** इस मनोरंजक व सीमित ओवर की क्रिकेट प्रतियोगिता में 16 टीमों के 128 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं सभी मे विशेष उत्साह नजर आ रहा है। मैच के दौरान थड़ी मार्केट जैन समाज के अध्यक्ष पवन जैन नगीना वाले, महामंत्री अनिल जैन, महिला मंडल अध्यक्ष भंवरी देवी जैन,मंत्री मीना सेठी के साथ अन्य समाज जन उपस्थित रहकर उत्साह वर्धन कर रहे हैं ।

भारतीय जैन युवा परिषद् द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन युवा परिषद् द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन EHCC हॉस्पिटल में किया गया। इस कार्यक्रम में 125 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इन सभी को डॉ संदीप नूनिया मेडिकल सर्जन, सीनियर कंसल्टेंट यूरोलॉजी ने वर्तमान में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की विस्तृत जानकारी प्रदान की इस कार्यक्रम में अस्पताल की तरफ से डॉ प्राचीश प्रकाश चीफ कोर्डिनेटर, डॉ मनमीत मक्कर मेडिकल डाइरेक्टर, नीतीश तिवारी सी. जनरल मैनेजर मार्केटिंग, अभिषेक चौधरी सी. मैनेजर मार्केटिंग,योगेश सैनी, सी. एक्जुकेटिव मार्केटिंग का सहयोग रहा, भारतीय जैन युवा परिषद् के प्रदेशाध्यक्ष देवेंद्र बोहरा ने बताया की युवा परिषद् द्वारा समय समय पर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करते रहते हैं। कार्यक्रम के लिए ड़ा राजीव जैन, प्रणव लुहाडिया, शैलेंद्र छाबड़ा विनोद जैन लदाना, सुशील कासलीवल, शेखर सोगानी, योगेश जैन, राकेश काला, अनंत जैन, आकाश जैन, विनोद गंगवाल, रोशन बेद,प्रमोद अजमेरा एवं निशा जैन आदि सदस्य उपस्थित रहे। प्रदेश महामंत्री रवि रांवका ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद प्रदान किया

नेटथियेट पर फ्यूजन कथक

गतभाव,लय में कथक की बारीकियां छलकी

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेटथियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज राज्य की सुप्रसिद्ध कथक गुरु श्रुति मिश्रा ने अपने भावपूर्ण कथक नृत्य से जयपुर के शुद्ध कथक की बारीकियों को बड़ी खूबसूरती से पेश किया। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू बताया कि गुरु श्रुति मिश्रा के निर्देशन में दस शिष्यों ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत राजस्थान की सुप्रसिद्ध मांड केसरिया बालम आवो नी पधारो म्हारे देश से की ' इसके बाद शुद्ध जयपुर कथक में आमद, तिहाईया,परण, चक्करदार परणे और गतभाव, तत्कार, की प्रस्तुति से जयपुर कथक को साकार किया। कलाकारों ने मीरा के भजन म्हारा जूना जोशी सांवरो मिलन कद होसी और छाप तिलक सब छोड़ी रे मोसे से नैना मिलाके की मनमोहक प्रस्तुति से श्रोताओं को मोहित किया । कार्यक्रम में याशवि पाटनी,झनक अग्रवाल, आशविका जैन, अनवी अग्रवाल,आवया जैन,शैरेया जैन,साधिया जैन,अविका जैन,जिनिशा जैन और आरोही अग्रवाल के नृत्य में लयकारी, ताल एवं गतभाव की स्पष्ट झलक देखने को मिली । कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी, संगीत सागर गढ़वाल एवं मंच सज्जा जीवितेश एवं अंकित शर्मा नोनू की रही ।

साड़ी हमारे संस्कारों का भी प्रतीक है, जिसे हमें अगले पीढ़ी तक लेकर जाना है : ममता मोदानी

नगर माहेश्वरी संस्थान द्वारा साड़ी वोकेथान का आयोजन, मातृ शक्ति ने लिया भाग

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। माहेश्वरी वंशोत्पत्ति पर्व महेश नवमी के उपलक्ष में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के निदेशानुसार अष्टसिद्धा व अध्यात्म समिति के तहत, नगर माहेश्वरी संस्थान अध्यक्ष डॉ. सुमन सोनी व सचिव सोनल माहेश्वरी के नेतृत्व मे साड़ी वॉकेथान का आयोजन किया गया। गाजे बाजे के साथ यह साड़ी वॉकथॉन मेन मार्केट बालाजी मंदिर में पहुंची। यह एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम था जिसे सभी प्रदेश एवं जिलो मे माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा एक साथ शनिवार को आयोजित किया गया। आइए, संस्कृति का सम्मान करें, साड़ी अपनाकर नारी का मान बढ़ाएं को चरितार्थ करते हुए सेकडों महिलाओ ने साडी पहनकर इस आयोजन मे भाग लिया। महिला रेली को मुख्य अतिथी अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की संगठन मंत्री श्रीमति ममता मोदानी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रेली को सम्बोधित करते हुए श्रीमति मोदानी ने कहा की साड़ी भारतीयता की पहचान है और हमें से भूलना नहीं चाहिए। साड़ी हमारे संस्कारों का भी प्रतीक है, जिसे हमें अगले पीढ़ी तक लेकर जाना है। इस दौरान अतिथी के रूप मे प्रदेश महिला अध्यक्ष सीमा कोगटा, भाग्यश्री चांडक, भारती बाहेती उपस्थित रही। नगर माहेश्वरी संस्थान की अध्यक्ष डॉ. सुमन सोनी ने कहा कि अपनी परंपरा को पुनः स्थापित करने और साड़ी को आधुनिकता की पहचान दिलाने के उद्देश्य से 'साड़ी वोकेथान' का आयोजन किया गया। साड़ी हमारा गरिमामय परिधान है और हमारी परंपरा है।

वेद ज्ञान

समरसता के लिए प्रेम आवश्यक

जीवन में सरसता के लिए प्रेम आवश्यक है। इसका संबंध मन से है। सांसारिक पदार्थों का इसमें कोई योगदान नहीं है। मन से अधिक ताकतवर कुछ भी नहीं है। इसकी चंचलता जीवन को अस्थिर करती है और मन का टिकना अनेक दुखों से बचाने वाला है। मन जब प्रेम से परिपूर्ण हो तब जीवन बदलने लगता है और आनंद की अवस्था प्राप्त होती है, किंतु प्रेम कर पाना जीवन का सबसे कठिन कर्म है। इसके लिए मन के सारे विकार त्यागने पड़ते हैं और इसे संवेगों से रहित और निर्मल बनाना पड़ता है। यह महान साधना है। कितने ही ऋषियों और मुनियों का सालों का जप-तप मन के चलते पलों में व्यर्थ चला गया। ज्ञानियों का ज्ञान, त्यागियों का त्याग मन की निर्मलता और प्रेम के बगैर निष्फल रहा। घर, परिवार और समाज त्यागने से नहीं, मन के विकार त्यागने से निर्मलता प्राप्त होती है। दूसरा सबसे बड़ा आधार है विश्वास। सारे संशय दूर हो जाएं, भ्रम मिट जाएं और मार्ग स्पष्ट दिखने लगे, तभी मन में विश्वास के बीज अंकुरित होते हैं। विकारों को त्यागने और विश्वास को धारण करने से ही मन में प्रेम की तरंगें उठने की स्थितियां बनती हैं। संसार में प्रेम को विभिन्न रूपों में देखा जा रहा है। माता और पिता से, संतान से, संबंधियों से, स्त्री और पुरुष से, धन, दौलत, शोहरत, शक्ति से प्रेम है, किंतु आवश्यक नहीं कि इनसे सदा आनंद की प्राप्ति हो और कभी दुख न सहना पड़े। अध्यात्म समस्त संबंधों को नाशवान और स्वार्थों पर आधारित मानता है। जब तक हित साधन हो रहा है तब तक संबंध हैं। हित पूरे न होने पर निकट से निकट संबंध भी बालू की भीति की तरह धराशायी हो जाते हैं। प्रेम का वास्तविक रूप परमात्मा से जुड़ने में है, जिसने सारे जीव पैदा किए हैं। जो सबका पिता है, उससे प्रेम का आनंद सदा बना रहने वाला और सुखदायक है। शुद्ध मन और अटूट विश्वास के साथ परमात्मा से प्रेम संबंध कायम करना ही उसे पाने का मार्ग है। इसके लिए भी उसकी कृपा चाहिए। मन में एक बार परमात्मा से प्रेम का रस पैदा हो जाए तो संसार के सारे रस फीके लगने लगते हैं और मन टिकने लगता है। ईश्वर स्वयं प्रेम स्वरूप है।

संपादकीय

चुनाव में जनता से किए गए वादों को पूरा करने की चुनौती

तमाम कयासों पर पानी फेरते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सांसदों ने सर्वसम्मति से नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री चुन लिया। यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में दूसरी बार होगा, जब किसी नेता को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। निस्संदेह यह प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व का प्रभाव और उनके कामकाज के तरीके पर भरोसे का ही नतीजा है। इस बार बेशक भाजपा को अकेले दम पर पूर्ण बहुमत नहीं मिल पाया, मगर राजग को बहुमत से कुछ अधिक सीटें मिली हैं, इसलिए गठबंधन की सरकार बनने में कोई अड़चन नहीं थी। यह गठबंधन चुनाव पूर्व का है, इसलिए इसके सभी घटक दल पहले से ऐसी स्थिति में समर्थन देने को प्रतिबद्ध थे। मगर चूंकि चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार के साथ गठबंधन के पहले के अनुभवों को देखते हुए कयासों को बल मिला था कि वे सरकार बनाते समय अपनी कड़ी शर्तें रख सकते हैं और उनके पूरा न होने पर छिटक भी सकते हैं। मगर अच्छी बात है कि दोनों नेताओं ने अपनी उस पुरानी छवि को इस अवसर पर दुरुस्त करके दिखाया। हालांकि अब भी विपक्षी गठबंधन को लगता है कि गठबंधन की यह सरकार लंबे समय तक चल नहीं पाएगी, मगर फिलहाल तो इसे एक खामखयाली ही माना जाना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि तीसरी बार जिम्मेदारी मिलने के बाद प्रधानमंत्री के कामकाज के तरीके में कुछ बदलाव देखा जा सकेगा। केवल इसलिए नहीं कि उन पर लगातार गठबंधन का दबाव बना रहेगा, बल्कि इसलिए भी कि इस लोकसभा का चुनाव भाजपा उनके नाम पर लड़ी थी। प्रधानमंत्री ने खुद अपने नाम से बहुत सारे कामों की गारंटी दी है। उन गारंटियों को पूरा करने का दायित्व उन पर ही है। उन्हें पूरा करने के लिए नए ढंग से रणनीति बनानी होगी। उसमें स्वाभाविक ही सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने की जरूरत पड़ेगी। घटक दलों ने सत्ता की बागडोर उनके हाथ में सौंपी है, तो जाहिर है कि उनकी मांगें मान ली गई हैं। विभागों आदि के बंटवारे पर सहमति बन चुकी है। इसलिए जो विभाग भाजपा से इतर दलों को मिलेंगे, वे प्रधानमंत्री की नीतियों और योजनाओं को आगे बढ़ाने में सहयोग करेंगे। कोई भी सरकार तकरार से चल नहीं सकती और न उससे किसी दल को लाभ मिलता है। इसलिए घटक दलों को यह बात अच्छी तरह पता है कि सरकार की उपलब्धियों पर ही उनकी भी सफलता और विफलता निर्भर करती है। यह जरूर है कि पिछली दो सरकारों के समय जिस तरह प्रधानमंत्री और उनके मंत्री फैसले करते, नीतियों का निर्धारण करते रहे हैं, अनेक मौकों पर विधेयकों को बिना उचित बहस के पारित करा लिया गया, अब वैसा संभव नहीं होगा। इसलिए कि सदन में एक मजबूत विपक्ष भी मौजूद रहेगा और उसकी बातों की अनदेखी करना संभव नहीं होगा। इस लिहाज से भी प्रधानमंत्री के पास एक अच्छा अवसर होगा कि वे लोकतांत्रिक ढंग से मुद्दों पर निर्णय कर सकेंगे।

परिदृश्य

रेपो दर कम करने की मांग उठनी शुरू

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा में एक बार फिर बैंक दरों के साथ कोई छेड़छाड़ करना उचित नहीं समझा। रेपो दर यथावत साढ़े छह फीसद पर बनी रहेगी। आरबीआइ गवर्नर का कहना है कि उनकी प्राथमिकता खाद्य मुद्रास्फीति को संतुलित करना और चार फीसद तक लाना है। अभी खाद्य मुद्रास्फीति पांच फीसद के आसपास बनी हुई है। इसमें कभी अचानक वृद्धि देखी जाती है। हर समय इसके रुख में अनिश्चितता बनी हुई है। महंगाई पर काबू न पाए जा सकने की वजह से सामान्य लोगों के जीवन पर बहुत बुरा असर पड़ रहा है। हालांकि कुछ औद्योगिक समूहों ने मांग उठानी शुरू कर दी है कि रेपो दरों में कम से कम पच्चीस आधार अंक की कटौती करने का समय आ गया है। मगर आरबीआइ इस दिशा में कोई जोखिम मोल नहीं लेना चाहता। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि ऊंची रेपो दर की वजह से कुछ हद तक महंगाई पर लगाम लगी है, मगर यह कब तक टिकाऊ उपाय साबित होगा, कहना मुश्किल है। दरअसल, रेपो दर में बढ़ोतरी का असर बैंकों से लिए गए कर्ज की किश्तों पर पड़ता है। बहुत सारे लोगों को इसकी वजह से अपने घर, वाहन, कारोबार आदि के मद में लिए गए कर्ज की ऊंची किश्तें चुकानी पड़ रही हैं, जबकि कोरोनाकाल के बाद से बहुत सारे लोगों की आमदनी घट गई है। औद्योगिक समूहों को कर्ज पर ब्याज अधिक चुकाने के चलते अपने उत्पाद की कीमतें ऊंची रखनी पड़ती हैं, जिससे अंततः उपभोक्ता पर बोझ बढ़ता है। इसलिए एक तरफ जहां महंगाई को संतुलित करने में कुछ हद तक मदद मिल रही है, वहीं दूसरी तरफ महंगाई बढ़ भी जाती है। रिजर्व बैंक ने इस वित्तवर्ष में विकास दर सात फीसद से ऊपर रहने की संभावना जताई है। मगर विकास दर और महंगाई के बीच कोई सीधा संबंध नजर नहीं आ पा रहा। विकास दर ऊंची रहने के बावजूद सामान्य लोगों के जीवन में बेहतरी के संकेत नहीं दिखाई दे रहे। सबसे हैरानी की बात है कि रोजमर्रा खपत की जिन खाद्य वस्तुओं का उत्पादन भरपूर होता है, उनकी खुदरा कीमतें भी बाजार में अधिक देखी जाती हैं।

मुनिसुव्रतनाथ जिनालय जहाजपुर में शनिवार को जलाभिषेक किया

जहाजपुर. शाबाश इंडिया

अष्टापद यात्रा संघ बांसवाड़ा, डुंगरपुर, रतलाम, डडूका, कनबा, कतिसोर, बागीदौरा, सागवाड़ा, नौगामा, गढ़ी, परतापुर, नौगामा एवम गांगडतलाई के 136 यात्रियों के दल ने जहाज आकार मे बने विश्व के प्रथम जैन मंदिर में मूलनायक मुनिसुव्रतनाथ भगवान का जलाभिषेक किया। यात्री दल के अजीत कोठिया ने बताया की प्रातः यात्रियों ने उस स्थल का अवलोकन किया जहा एक मकान से बरसो पूर्व ये प्रतिमाजी निकली थी। ये प्रतिमा अनायास नीला, सफेद एवं काले रंग में परिणित होती है तथा इसकी नाभी अचानक स्पंदन भी करती हैं। इसका नाम गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। प्रातः कलिंजरा निवासी प्रवीण जैन तथा बांसवाड़ा निवासी नयना राजेंद्र पतंग्या ने मुख्य कलश एवम शांतिधारा कलश से जलाभिषेक किया। अर्हम अभिषेक जैन,उमेश सरोज जैन तथा मणिलाल जैन ने तीन वर्ष के लिए जिनवाणी ध्यान केंद्र निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। आयोजन मे नरेंद्र दोसी गंगाड तलाई, अजित नागदा, भरत शाह, विनोद शाह , अशोक कोरावत सहित कई भक्तो ने जलाभिषेक कर जीवन कृतार्थ किया । आयोजन मे अजीत कोठिया, राजेश जैन, उमेश चत्तर, अशोक बंडी, गिरीश जैन, पृथ्वी राज जैन, कनकमल जैन, खुशीलाल जैन, मोहन लाल जैन, गिरीश शाह, आशीष जैन, भरत पंचोरी, देवेन्द्र शाह, ऋषि धीरावत, सुशील पंडित, जय प्रकाश गढ़ी वाले, सरोज जैन, कुसूम कोठिया, अरूणा जैन, हेमलता जैन, प्रमिला बंडी, अनिता शाह, दीपिका शाह, सुलोचना पंचौरी, अशोक जैन, अरविंद धिरावत, दीपिका जैन, आशा शाह,जय श्री जैन, निरंजना दोषी मीनाक्षी जैन,रीना जैन, प्रतिभा जैन,पायल जैन ने खूब नृत्य कर प्रभु भक्ति की। बाद में दल ने सुधासागर महाराज द्वारा विकसित अतिशय क्षैत्र बिजोलिया पार्श्वनाथ भगवान के दर्शन कर भक्ति की।

चैतन्य संस्कार शिविर-बच्चों ने सीखी पूजन विधि

उदयपुर. शाबाश इंडिया। हिरण मगरी , सेक्टर -3 , श्री शांतिनाथ दिगंबर मंदिर सेक्टर - 3 में आज चैतन्य संस्कार शिविर का चुतर्थ दिन का शुभारंभ जिनेन्द्र प्रभू के प्रक्षाल से हुआ ।इस अवसर समयसार मंडल विधान के निर्जरा - मोक्ष अधिकार के अर्घ्य समर्पित किये गये । ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री शांतिलाल अखावत ने बताया कि समयसार मंडल विधान पं. महावीर प्रसाद शास्त्री ने कराते हुए बच्चों को पूजन की विधि सीखाई । हितंकर शास्त्री द्वारा भक्ति भाव पूर्वक भक्ति कराई गई । तत्पश्चात बाल वर्ग किशोर वर्ग और युवा वर्ग की अलग-अलग कक्षाएं प्रारंभ हुई । जिसमें बाल वर्ग की कक्षा निपेक्षा जैन , किशोर वर्ग की कक्षा पंडित हितंकर शास्त्री द्वारा ली गई । बच्चों को अनेक रोचक गेम खेलाएँ गये । कहानियाँ सुनाई । युवा वर्ग की कक्षा पंडित डॉ.तपीश जी शास्त्री द्वारा ली गई । जिसमें जैनधर्म अनेकों विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि जैन दर्शन की महिमा पर प्रकाश डाला । जैनदर्शन प्राचीनता पूजन पद्धति , संविधान में सहयोग व राष्ट्रीय हित में सहयोग करने वाले जैन व्यक्तियोंआदि अनेक बिंदु पर चर्चा कर जैन धर्म की महिमा सिद्ध की।

टोंक संभाग महासमिति की महामंत्री रेखा जैन अंचल सांस्कृतिक मंत्री मनोनित

टोंक. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल की अध्यक्ष शकुंतला बिन्दायका द्वारा टोंक संभाग महासमिति की महामंत्री रेखा जैन को अंचल सांस्कृतिक मंत्री मनोनित किया गया। टोंक महासमिति की अध्यक्ष सरोज बंसल ने दिगंबर जैन मंदिर सुथड़ा में मंदिर कमेटी के साथ रेखा जैन को साफा पहनाकर बधाई दी।

नैनागिरि में श्रुत पंचमी महोत्सव पर होंगे विविध कार्यक्रम

षटखण्डागम की गजराज पर शोभायात्रा के साथ संस्थापन

रत्नेश जैन रागी. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा। तहसील अंतर्गत सुविख्यात जैन तीर्थ नैनागिरि में श्रुत पंचमी महोत्सव पूज्य आचार्य श्री बसुनंदी जी महाराज के परम शिष्य युगल मुनि श्री शिवानंद जी महाराज व श्री प्रशमानंद जी महाराज के मंगल सान्निध्य में विविध कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जा रहा है जिसमें ख्यातिलब्ध न्यायायिक व प्रशासनिक अधिकारी, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, तीर्थ व गुरु भक्त अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। श्री दिगम्बर जैन सिद्धक्षेत्र रेशंदीगिरि नैनागिरि ट्रस्ट कमेटी के मंत्री राजेश रागी व प्रबंध समिति के मंत्री देवेन्द्र लुहारी ने बताया कि श्रुत पंचमी महोत्सव के पावन अवसर पर त्रिदिवसीय विविध कार्यक्रम पूज्य युगल मुनिश्री के मंगल सान्निध्य एवं सुप्रसिद्ध प्रतिष्ठाचार्य पं. सनत कुमार पं. विनोद कुमार रजवांस ,पं. मनोज अहार व पं.अशोक बम्हौरी के मार्गदर्शन में विधि विधान से कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा ।इस अवसर पर 09 जून रविवार को पूज्य युगल मुनिश्री का गुगवारा की ओर से नैनागिरि में भव्य मंगल प्रवेश होगा।सायंकाल में आरती, शास्त्र प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होगें। 10 जून सोमवार के प्रातःकॉल 6.30 बजे से अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, मुनिराजो का मंगल उद्बोधन एवं कार्यक्रम का ध्वजारोहण होगा ।11 जून मंगलवार को प्रातः 6:30 बजे महामस्तकाभिषेक शांतिधारा पूजन, श्रुत स्कंध विधान के पश्चात 8.30 बजे से जिनवाणी जी एवं ताम्र पत्रों पर अंकित षटखण्डागम की गजराज पर भव्य शोभायात्रा , 9:00 बजे से श्रुत मंदिर में ताम्र पत्रों पर अंकित षटखण्डागम का संस्थापन , 9:30 बजे से मुनिराज का उद्बोधन , 10:00 बजे वरदत्त विश्राम भवन का उद्घाटन समारोह, दोपहर 1.30 बजे से श्रुत पंचमी पर संगोष्ठी जिसमें डा हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर व छात्र भाग लेंगे। 2.30 बजे से मुनिराजों का मंगल उद्बोधन एवं अतिथियों एवं दानदाताओं का सम्मान समारोह , 4.30 बजे वर्णी ज्ञान प्रभावना रथ का शुभारंभ , सायंकाल आरती शास्त्र प्रवचन सांस्कृतिक कार्यक्रम किए जाएंगे । इस सौभाग्यशाली क्षणों में सभी से भाग लेकर पुण्यार्जन करने की अपील नैनागिरि कमेटी ने की है। **रिपोर्ट : वरिष्ठ पत्रकार राजेश जैन रागी रत्नेश जैन बकस्वाहा**

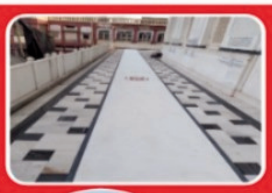

फागी कस्बे में धार्मिक शिक्षण संस्कार शिविर के चोथे दिन संयम, तप एवं दान का बताया महत्व

संयम एवं तप का पालन करने से शांतिप्रिय एवं खुशहाल जीवन जी सकते हैं :शास्त्री अंकित जैन

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे में सकल जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय धार्मिक शिक्षण संस्कार शिविर में चोथे रोज जैन धर्म रक्षक पाठशाला के बच्चों के द्वारा पंडित विद्वत अंकित जैन के दिशा निर्देश मे अभिषेक, शांतिधारा तथा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की गई। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में जैन धर्म रक्षक पाठशाला के बच्चों को प्रातः ध्यान योग निर्देशक सत्येन्द्र झंडा ने अनेक प्रकार के आसन सिखाए एवं शांति प्रार्थना के माध्यम से विश्व शांति के संदेश के गुर भी सिखाए।इसी कड़ी में सुशीला झंडा ने अवगत कराया कि विद्वत अंकित शास्त्री ने श्रावकों के आवश्यक गुणों के बारे जानकारी दी जिसमें देव पूजा,गुरु उपासना, स्वाध्याय,संयम तप एवं दान का महत्व बताया तथा संयम एवं तप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इनका हमारे जीवन में विशेष महत्व है इनका पालन करने से शांतिप्रिय एवं खुशहाल जीवन जी सकते हैं।कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा,सोभागमल सिंघल,सत्येन्द्र झंडा, अनिल कठमाना, राजकुमार मांदी, दीपक मोदी, निखिल जैन लावा, त्रिलोक पीपलू, कमलेश चोधरी, तथा राजाबाबू गोधा एवं सुशीला झंडा, मीरा झंडा, मीनाक्षी मांदी, अल्का कासलीवाल, रानी नला, रेखा झंडा प्रीति कलवाडा, रेखा कठमाना सहित सभी पदाधिकारी गण मोजूद थे। **-राजाबाबू गोधा जैन महासभा मीडिया प्रवक्ता राजस्थान**

पुराने परिंडो की सफाईकर नाथावतपुरा चेलासी में और भी परिडे लगाए

सीकर. शाबाश इंडिया। इन दिनों भीषण गर्मी का दौर जारी है। इंसान के साथ साथ पशु-पक्षी भी बेहाल हैं। जानवर भूख प्यास से दम न तोड़ें, इसके लिए करणी माता गौशाला चेलासी,नाथावतपुरा के बनी के बालाजी धाम और राजपुत धर्मशाला के सामने पक्षियों के लिए चुग्गा-पानी की व्यवस्था की।प्रियंक जैन ने बताया कि पक्षियों की आवाजाही अधिक हैं वहां परिंडे लगाने, दाने के लिए पात्र रखवाने की व्यवस्था नियमित रूप से की जा रही है। आज पक्षियों के लिए पेड़ों पर परिंडे लगाए और जो परिडे पेड़ो पर लगे थे उनकी साफ-सफाई की गई, जिससे पक्षियों को साफ पानी मिल सके । इस दौरान ईश्वर सिंह नाथावत,आलोक काला,जय कुमार छाबड़ा हर्ष,जुगल काला,प्रियंक जैन,शैलेष जैन,तरुण बजाज,कृष्णम शर्मा,सौरभ सिंह शेखावत आदि उपस्थित थे। प्रतिदिन पानी की उपलब्धता और नियमित रूप से उनमें पानी भरने की जिम्मेदारी नाथावतपुरा निवासी बहादुर सिंह,श्रवण सिंह,गजेंद्र सिंह ने ली। साथ ही पक्षियों के लिए दाना की भी व्यवस्था भी की जाएगी ।

नीट में चयन ना हुआ हो तो भी...और भी हैं राहें

अगर नीट यू जी में स्कोर कम आया हो तो भी अनेक विकल्प होते है जिसका आप चयन कर एक अच्छा कैरियर बना सकते है और भी है राहें कन्वेनर डा समीर मेहता ने बताया कि अभी हाल ही में नीट का रिजल्ट आया व कई छात्र छात्राये निचली रैंक व स्कोर से परेशान हो रहे है। अगर आपके स्कोर में सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश नहीं हो पा रहा तो आप आयुष आयुर्वेद कॉलेज में बी ए एम एस, बी यू एम एस, डेंटल कॉलेज में बी डी एस,वेटरनरी कॉलेज में बी वी एस

सी,होम्योपैथी कॉलेज में बी एच एम एस डिग्री ले कर डॉक्टर बन सकते है।अगर रैंक और नीचे आये तो योगा व नेचुरोपैथी में बी वाई एन एस,व ऑडियोलॉजी व स्पीच थेरेपी में बी ए एस ऐल पी, फि ज़ियोथेरेपी ,ऑक्यूपेशनल थेरेपी भी कर सकते है।इसके अलावा साइंस बायो वाले स्टूडेंट्स नर्सिंग में भी बी एस सी कर शानदार कैरियर बना सकते है। फार्मेसी में बी फार्मा,डी फार्मा कर मेडिकल व्यवसाय में अपना कैरियर बना सकते है बेसिक साइंस में बी एस सी, एग्रीकल्चर, साइकोलॉजी, होटल मैनेजमेंट, हॉस्पिटल मैनेजमेंट आदि अनेकों कोर्स कर मेडिकल रिलेटेड कैरीअर बना सकते है। रेडिएशन थेरापिस्ट, न्यूट्रीशन, जेनेटिक काउन्सेलर, मेडिकल टेक्नोलॉजी आदि कई ऐसे कैरीअर ऑप्शन है जिनमे बहुत डिमांड है और अच्छा पैकेज मिलता है। क्लिनिकल रिसर्च में अगर कैरीअर बनाना हो या विदेश में जाना हो तो सैट की परीक्षा का भी विकल्प होता है। बी एस सी माइक्रोबायोलॉजी,फूड टेक्नोलॉजी, बायोमेडिकल, एक्वाकल्चर ,फि शरीज में अनेकों जॉब ऑप्शन रहते है। डा समीर ने बताया कि आज जरूरत है भेड़ चाल से अलग सोचने की व अभिभावक व शिक्षकों को सही काउंसलिंग कर विद्यार्थियों को सही मार्गदर्शन देना चाहिए। और भी है राहें का विचार रख कर अनेकों विद्यार्थियों को गलत कदम उठाने से बचाया जा सकता है। **-डॉ. समीर मेहता, कन्वेनर: और भी हैं राहें**

श्री दिगंबर जैन मंदिर शांतिनाथ एवरेस्ट कालोनी में शांति विधान का आयोजन

जयपुर

श्री दिगंबर जैन मंदिर शांतिनाथ एवरेस्ट कॉलोनी लाल कोठी जयपुर में शांति विधान व मोक्ष कल्याण मे निर्वाण लाडू, चेतन कुमार जैन रेखा जैन छाबड़ा परिवार ने चढ़ाया तथा मंदिर जी में स्थित तीनों वेदीयों की सुरक्षा हो सके तथा अनावश्यक रूप से भगवान को छूने या किसी प्रकार की चोरी या अन्य दुर्घटना ना हो इसको ध्यान में रखते हुए इस परिवार के द्वारा सहयोग कर तीनों वेदीयो का कांच का कार्य पूर्ण किया गया। जिसका मंदिर कमेटी

के द्वारा चेतन कुमार जैन व श्रीमती रेखा जैन छाबड़ा का सम्मान किया गया वह उनके कार्य की अनुमोदन की गई।

प्रमोद-सुनीता पाटनी

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य

Happy Anniversary

9 जून' 24

9829183879
9799492083

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: सुनील सोगानी, **आई पी पी:** राहुल जैन
संस्थापक अध्यक्ष: मनीष झांझरी
पूर्व अध्यक्ष: अभय गंगवाल, **पूर्व अध्यक्ष:** संजय जैन
उपाध्यक्ष: अजय बड़जात्या, **सचिव:** विशुतोष चाँदवाड
सह सचिव: महेंद्र जैन, **कोषाध्यक्ष:** सुकेश काला

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ, जयपुर

हिम्मत से होगा हर संकट का समाधानः गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ सिद्धार्थ नगर जयपुर में विराजमान है और सुबह, दोपहर , शाम तीनों समय भक्तों को भक्ति से जोड़ने का प्रयास कर रही है। भक्तगण भी सही समय पर उपस्थित होकर पूज्य माताजी के प्रवचन, दोपहर में स्वाध्याय व शाम को आनन्द यात्रा का आनंद ले रहे हैं। पूज्य माताजी ने सभी को धर्म संबोधन देते हुए कहा कि जीवन में कितनी भी परेशानियाँ या संकट आ जाये हमें हिम्मत नहीं हारना चाहिए। टूटकर भी जो मुस्कुरा दे उसे कोई कैसे हरा दे। खेल खेलने में तभी मजा आता है जब जिंदगी दाव पर पर लगी हो। जहां से डर खत्म होता है जीत वही से शुरू होती है । जिंदगी में कैसा भी मोड़ आये कभी हिम्मत मत हारना क्योंकि तुम्हारी हिम्मत ही तुम्हें हर कठिनाई से बाहर निकलेगी। पूज्य माताजी ने भीषण गर्मी में अनशन व्रत के माध्यम से उत्कृष्ट चर्या का जो उदाहरण प्रस्तुत किया जिससे लोग धन्य धन्य कह उठें।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com